

447



ASIA

हालं गुलः ॥ ॐ देवचहर भूत येन सब दुते फल स्वाहा धाल २१ हालं न
 स्व गुल धमंत्र ॥ ॥ ॥ राक्षे सदी के ॥ ॐ उरु आग्ना फल स्वाहा धाल ७
 धमंत्र न स्व ज प्रल व नोन के राक्षे स दिके मंत्र गुलः ॥ ॥ ॥ मोल स्वा
 या ॥ ॐ नमो मजिल स्वाहा धाल ७ धमंत्र मोल स्वा कया पुये गुल ॥ ॥ ॥
 विषलाये ॥ ॐ विसा च पद स र्ध व ना स निद्र फल स्वाहा ८ धमंत्र व
 स नदी कया द्यव लाय मंत्र गुलः ॥ ॥ ॥ घाल या राग लाये ॥ ॐ हे
 हेति व २ वन्ध २ विलु दे २ देव दं भुक् नाम नि स्वाहा धमंत्र घाल या रा
 ग लाय गुल ॥ ॥ ॥ ह्व क व व काये ॥ ॐ विजय लं क्रो ध्र मोला सि धी
 स पद रा सि नि २ स्वाहा धाल ५ धमंत्र न ध्व ह्व क व व या य मंत्र गुलः

अक्षे न गोल ७ गो पा व दु डा व गु ये ॥ ॥ ॥ घाल या राग लाये ॥ ॐ न
 म र्ध वी काये ॥ ॐ उरु यो कलि मा ह्य भट ना स नी युर भी वि स्व के ला स
 पु व ते सर्व भु ता दि ना स य २ हुं फल स्वाहा धमंत्र न घाल या राग लाये गुल ॥
 ॥ ॥ पि न का ये ॥ ॐ अह रे स्वाहा ॥ पि न व व या ल स ज पा व तो के हार न
 या य गुल ॥ ॥ ॥ थं को वं या ॥ ॐ व म ल वं ध नो हरि द ये वं ध न ॥ सी धि
 उरु आग्ना हुं स्वाहा धाल ७ ल व गो पा व तो के थ नं को नं व न या छि
 ये मंत्र थो गुल ॥ ॥ ॥ कि मि सार ॥ ॐ रु डा ये मा हा रुं डा ही हा फ
 न स्वाहा ॥ आपा मार्ज या हा व म ले व व त या व तो न के गुल अति सार को
 धमंत्र ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

घाल या राग धमंत्र को वं या

महाराज गोरक्ष जी

हारं मारं गारं सायजीव ॥ ॐ गुरु आग्ना ॐ जागो ३ देवि ने की कारि मा
ई जागो पादु मकी जेला माई जागो ॥ इसनि कि दुपती माई जागो आ
कासो के धजो मीनी माई जागो प्री धि वि कि प्रि धि माई जागो राजा
कि द्वार महारक्षि जागो माहा कारिका वाचा ॥ काकलिका वाचा मिता
गारा मरा धरि अहं पा दुपती के वाचा माई जन कि के वाचा दधि
नकी काली माई के वाचा पं रकु मारी कि द्वाहि ति नवन कि द्वाहि टका
लि के वाचा दुवल्लि के वाचा गिन ल्यारि के वाचा धार ३ हालनं मा
लनं ताल रां सायजीव ॥ ॥ ॥ कि मि रास ॥ ॐ कि मि मल ३ प
ल ३ कत ३ ई ३ फल ३ स्वाहा ॥ ध्वमे वनं कि मि रास स चिज पल पावन के

गुरु गोरक्ष जी

कि मि रास सुयु व सुन ॥ ॐ ॥ ॥ हा द्विये ॥ ॐ ससमति स्मर वंधन गुरु
जोर्नि धव के हा ३ फल स्वाहा हा द्विये मंत्र ॥ ॥ ॥ गुल नत्पाये के ॥ ॐ
श्री विज माहा देवि गव चालि मफु गोली कत वासि कत हूं हूं स्वाहा सिधुल
श्री वंड कलु निगो लो चंद ये ॥ ध्वमे वनं चो याव मोल स तय गुल नत्पाये के ॥
॥ ॥ मचा वय के ॥ ॐ नमो कति स्व कलाये सर्व न्याताये सा ले स्वाहा धा
ल ३ चिकन ३ गुल पा वय्या ध सं गुय बस फेल सं गु ये मचा नमान गुय
व गुल ॥ धाल ३ सुप नज गुल पं मल सं तय ननान पि को दई प्र गुल ॥ ॥
॥ जाम वय के ॥ ॐ हूं हूं हूं स्वाहा धाल ३ ध्वमे वनं व फल लिया हा ॥ वी
हय ॥ गुगु प्याल सं तया व जा म वय के ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

गद्य कल मुद्रा

भयनासमुद्र ॥ ॐ हुं काल हौं हुं व ह दाय ह ह पत स्वाहा ॥ धम म न ज प ल
वाप चोने ज प या ये = धाल डेल छी १००० ॥ जय या य भये कल मुया व
वोने ॥ धम म न मुल भय म ड मुल ॥ ॥ ॥ पुना ह या हार ॥ ॐ श्री ग हो सा
हा य न मो ॥ ॐ ॥ गुरु आ ग्या ३ वज्र विलं मा हौं काल हुं फल स्वाहा ॥ धाल ॥
धम म न पुना ह व मु या ह ले या ये न ह्या ॐ क हु या मे सत पु न के ह ले या ये ॥
॥ ॐ ॥ ॥ सारा क वं या मुल ॥ ॐ हुं हुं हुं फल स्वाहा ॥ श्री गुरु आ ग्या धा
व ॥ ॥ धम म न सारा क वं या पु ये मु मुल ॥ ॐ ॥ सारा क व या क ये ॥ ॐ ति
वो ला ई गु वो ला इ ह म म ला फल आ श्री गुरु आ ग्या ॥ धाल ॥ धम म न
सारा क व गु का ये मुल ॥ ॐ ॥ मोल स्वा क या ॥ ॐ न मो अंग ला ये म्र धे न

घो ला ये ॐ न मो लु द्रा ये हुं फल स्वाहा श्री गुरु आ ग्या ॥ धाल ॥ धम म न
मोल स्वा क पु ये मुल ॥ ॐ ॥ धा थ स्वा क या ॥ ॐ किल कि ल सु र्व स्वा
हो श्री गुरु आ ग्या धाल ॥ ॥ धम म न धा थ स्वा क या पु ये मुल ॥ ॥
वा ला इ ति पुं गु ॥ ॐ हुं हुं स्वा हो हुं हुं स्वाहा श्री गुरु आ ग्या धाल ॥ ॐ ॥
वा स्वा क या ॥ ॐ की ली की ली सु र्व स्वाहा ॥ श्री गुरु आ ग्या धाल ॥ ॥ धम
म न वा स्वा क पु य मुल ॥ ॐ ॥ मो न पु या ॥ ॐ अ नी ला छी श्री ग हा ल
इ मी मा हा दे व मा हा काल दु र्ग कु माली वा धा श्री गुरु आ ग्या धाल ॥ ॥
धम म न मि न पु क या मुल ल व जो पा तो न के पु ल या ह लं या य ॥ ॥
ही छी ये मु ॥ ॐ ह म फल स्वाहा ॥ श्री गुरु आ ग्या धाल ॥ ॥ धम म न हि

द्विये ॥ ॥ मि. या. कि. हा. ॥ ॐ अपानी जपपानी मायापानी हहा हुं फा
 स्वाहा ॥ श्रीगुरु आग्या धाल ॥ ॐ ॥ धमनन कि मिवा गले पाये गुल ॥
 ॥ ॥ ही छीये ॥ ॐ नमो श्रीगुरु आशा सहस्रनाली पंधनाली हुं फा
 स्वाहा धाल ॥ ॐ ॥ धमनन ही छीये गुल ॥ ॐ ॥ मिवा संभु व सुपुये ॥
 ॐ नमो श्रीगुरु आग्या ॥ कि. ला. म्या. मि. ला. हि. स्या. हुं फा स्वाहा ॥ धाल ॥
 धमनन संभु व वया पु य गुल ॥ ॐ ॥ ॥ सुताया उपकार गुल ॥
 ॐ विधिनिन हुं फा ते मा गना मन हुं फा स्वाहा ॥ धाल ॥ श्रीगुरु आग्या
 धमनन गोत स्वाक ॥ बाध स्वाक ॥ घाल स्वाक ॥ मिवा स्वाक ॥ वा स्वा
 क ॥ दम व व गु या गुल ॥ ॐ ॥ ॥ दम व व या ॥ ॐ विधिनिन हुं फा ते मा

रमन जा

मा ला जना मन हुं फा ते स्वाहा धाल ॥ ॐ ॥ ॥ कोन पु या ॥ ॐ नि
 सुख हि मा भं गुरु आग्या धाल ॥ ॐ ॥ धमनन वये गुली दुला ल तया वन
 के ॥ कोन म पु ये के गुल ॥ ॐ ॥ ॥ ये स ला ये ॥ ॐ ने ग्या ने सोत ॥ धाल ॥
 धमनन यल ला ये गुल ॥ ॐ ॥ ॥ हा पं प्या व ने ॥ ॐ धल ल ध वाना वे द
 मि धालान न ते धा डल ध्या कर गुत के संग ली कि मे ली मर्ग की फल मे
 व ई धा र वा धा ॥ धाल ॥ ॐ ॥ धमनन गुल सं जो प ल पा व न ह स प त
 या व ने गुली ॥ ॐ ॥ ॥ व ल ये या द ॥ ॐ ॐ ध फु ली धा नि धा ला व ॥ धा
 ल ॥ धमनन ध व डल सि ध ल व ध व ला हा ग सं पु ले मि सा या त ति के गु
 ल धा व व ल ये गु ये गुल ॥ ॐ ॥ ॥ वि धा नं डा क या हा ल ॥ स्तु ॥

कोन गय
 य के

गो व वा वने

य स ली का ज

प

ॐ कूं कूं गच्छाहा धाल ३॥ श्री धानं डाक्याहा धाय मंत्र गुल ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 बोधल मंत्र ॥ ॐ ई काल दूहा काल अकास क्षेणी मुलीसि श्री गुरु आ
 उपा धाल ८ धमंत्र आसि गुल जावन पात्पावल गालनं या यजति ॥ ॥
 ॐ अनवार्ड निदय फुगु स्वाहा धाल ३॥ जये लपे लोहें थागो हा मपल
 पावहु गोल ~~अवग~~ गये पेगो लपि उदीग संतिने वाध नपत्र ॥ धुया
 गुग्याल गुरु यम दुगुल ॥ ॐ ॥ लोकाये मंत्र ॥ ॐ धाल लेले स्वाहा
 धाल ३॥ तिकाये मंत्र गुल ॥ ॐ ॥ कथय ॥ ॐ सीतल माहा विहीमि
 ई ई ई पूत स्वाहा धाल ३॥ कथय मंत्र गुल वानव ये कथय याये ॥ ॐ ॥

ध्या
 मंत्र
 लि
 का
 य

क
 थ
 य
 या
 य

धाल लाये ॥ ॐ श्री गुरु आग्या धाल धाल वंधु धाल धाल वाहन कुलो
 वाधा धाल ३॥ धाल लाय मंत्र गुल ॥ ॥ बस लाये ॥ ॐ श्री गुरु आग्या ॐ
 गुरु हा वहुं फुगु स्वाहा खेल खेल हुं पूत स्वाहा निल कं धगलु हाये हुं फुगु स्वा
 हा धाल ३॥ धमंत्र रसल लाये मंत्र गुल ॥ ॐ ॥ मिसा बस्य लिह ॥ ॐ गुरु
 आग्या किं सों धुं उं मुका उं मुकि वस्य मानं तु स्वाहा लि धुल सो भागीनी
 निल कुमाली वज्र जो नी से आग्या ई ई ई दया हा धाल ३॥ सींहल
 सगुया की के मिसा वसे गुई गुल ॥ ॥ गुल न त्याग के ॥ ॐ लि धि उमा
 जिना वय भोगीनी अन् धाला हे माई काला आई ये हनुमान की जप धा
 ल १॥ कुमाल या ध धाल या धा लाया सउ आकास संक या का ये
 गुल

ध
 म
 मंत्र
 य

गु
 ल
 न
 त्या
 ग

गु
 ल

धनुलयापुष्प भागनमिसंहुये विभुगया ये मवन **धेवा सहुये**
विभुगन धेवासंहुये पाली गले संहुये दामनं पा गले संधी के जु
लसपाये मुल न त्या गळे फई व सुभे ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

पुनः न के गु ॥ ॥ ॐ नमो गुरु भाग्या ॥ कालिका माहावेन नम्याहा
१०८ मफहा ॥ ग्वाल गवये स्व हे या ना न के म्हा सं ग्ग
जं र जगये याये ॥ ॐ नमो गुरु भाग्या विरुधि अक हन पंच पंच पंच
सिह न ल माना य्पु हुं पृ ग स्वाहा १०८ धस्त ग प या या य म न
जं र जगये याये गु ॥ ॥

नारीया ने स मुल ॥ ॥ अथ वा व्यापुथे र्वा उंक कि सी डा से थे धना
रि सन सा सि क या ने स धाये ॥ ११८ ग मु ल धा ये ॥ २ ॥ अथ वा ता रा
हा सन थे न्या सी व न थे सन सा मु ग पे न या दो व हु ३५ ग धा ये मु ल ॥
अथ वा प्या न्या सि व न थे सन सा ब की ही ज क म्वा ई मु ल ॥ ४ ॥ अथ
वा प वु पा ड ये थे थो नारी सन सा द्या स ये ने मु ल व्या नु ज क म्वा ई मु
ल ॥ ५ ॥ अथ वा कमि वा न्या सी व न थे सन सा से स जो ल गुं ल हु ६ ॥
५ ग धा ये ॥ अथ वा को हा ल थे नालि सन सा से स म स न हु १५ ५ ग
धा ये ॥ ७ ॥ अथ वा जा दा सि व ल थे नारी सन सा अ गु गि न मु ल ध का
मि ये हु ११ धा ये ॥ ८ ॥ अथ वा इ मा वो स्पी व न थे नारी सन सा वा यु

अथवासवाकावलधेधोनारीसनसागागदोचनुवालक्षि१५५१
 धायेमुल॥१६॥अथवागुत्ताधुयेधेसनसाधागुपुस्तधाये॥१७॥
 धुपवालवयाडालवमुसिहिनाधोधेनारीसनसाजलविसाचा
 नंगोननुम६धुयेमुलधायेमुल॥१८॥अथवाइधुगाहालधे
 धोनारीसनसासीकनंधीलधायेनु५१धायेनु३५सागुधुवो
 गधेसा॥१९॥अथवाधुगर्जमानसधधेधोनारीसनसागुगरे
 गधियाधुगमदुमुलपकसिनीनसोनसागल॥दुयेकालयायेवा
 कुमुल॥२०॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

५५५५

पुष्पाद्यधधुवदति ॐ स्वाहा ॥ २१ लायजपावमिषासदो येमि
 सासंभुतिषवयाः ४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॐ कालीकलनीमोयुकास लानि स्वाहा ॥ ध्याति ध्याति नकाफ
 लसंदो येयुतादनीलावचिकननउलावमगदोयेके ॥ मोहनीफ
 वेधमननगपलपेकेवकेवस्यकर्मसंउपमव ॥ ॥ ॥
 हाकुमिली नृलाजिली सैमभागयाडें दुहुननियावपाये पलत
 नासगुईवजुल ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॐ नमो भगवते निलें जनाये भैलव ॥ धामुली २६ हलहलहं
 ॐ ॥ धाल ७ लवतपोस स्वाल धुधी ॥ डाडा वस्वथा ध्याये सिलसं

मसै कुने धोम वलें ध्याये गुमं नजुल ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 धोलसया हि वरिचनयो यावगनकं तयेध गुर्नया डावध कल संत
 येधतपं हि गुगु वजुल ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॐ नम अल भैरव जोगी नी विभु मि काम फले वि ब्रह्मे सति देवि नैल ॥ ति
 उल ॥

चिक नैतव ॥ सिन्धु लनतेव ॥ अम वन ॥ जोपा वरिस ॥
 राज मोह नजुरो ॐ न ववत्ययसाहा ॥ धेम सनलधा
 त ॥ ३ ॥ धमन सतयाय ॥ बीक नम पलपानः सुयामोस्य ॥

अज

अनुदे नगर गाय लरा जा सांथ दे तली यक गार दुय गार आ था
 सिपी निहु खना दुमान कल ॥ हुह स्वाहा ॥ धम मल यांय धाल ॥
 धम ग या बीकन लानान सधान चिपी चान नाले कपाल स चिक
 नतया व मोल व पुय ॥ धया नाय था ज्वल मोल स्या कया जुल ॥
 उं नमो गुरु सि वि आशा ॥ सि धल जरा व व व मान्य मे लु कि
 व गति गुरु की भगति ॥ परलो मं न त ल इ स्व ल वा चे गुरु आ
 ग्या ॥ धम व ल या य ॥ धाल ॥ धम व या य चि क न

स्व ना व स्त धो व ॥ धि पि चान वाले कपाल स
 चिक नत या व मोल व पुय थो या ना म ना ज्वल
 मोल स्या कया जुल ॥

धमो

आशा मरुवाधि	1.447	
ASHA ARCHIVES		

वर्क
मर्क

अ नमो गुरु आपों ॥ काली किं ऊरि वती है सि धुरि जो गो
 नि फलो मंत्र इ धुरि वाचा हु फल स्या हा धाल उ त
 कल न पु मा धम न ती ये लोक व स मे गो ल मान व स या
 ना म का य सि ह ल ज्म नि मु नी स



कृत्वा गृहं सुमुमकृत्वा अथवा
 यन्मदसि सुमुमु नमो पुजा या यम
 नमो या यमो या यो को ॥ ५५ या य
 या मुगया येन या दकिनी या मये
 दु या मडु नाम दमो मे विमुदी ॥ ५६
 नमो नाया मुन मरु कारस मल
 केमो गुना सुमे ॥ ॥ ॥

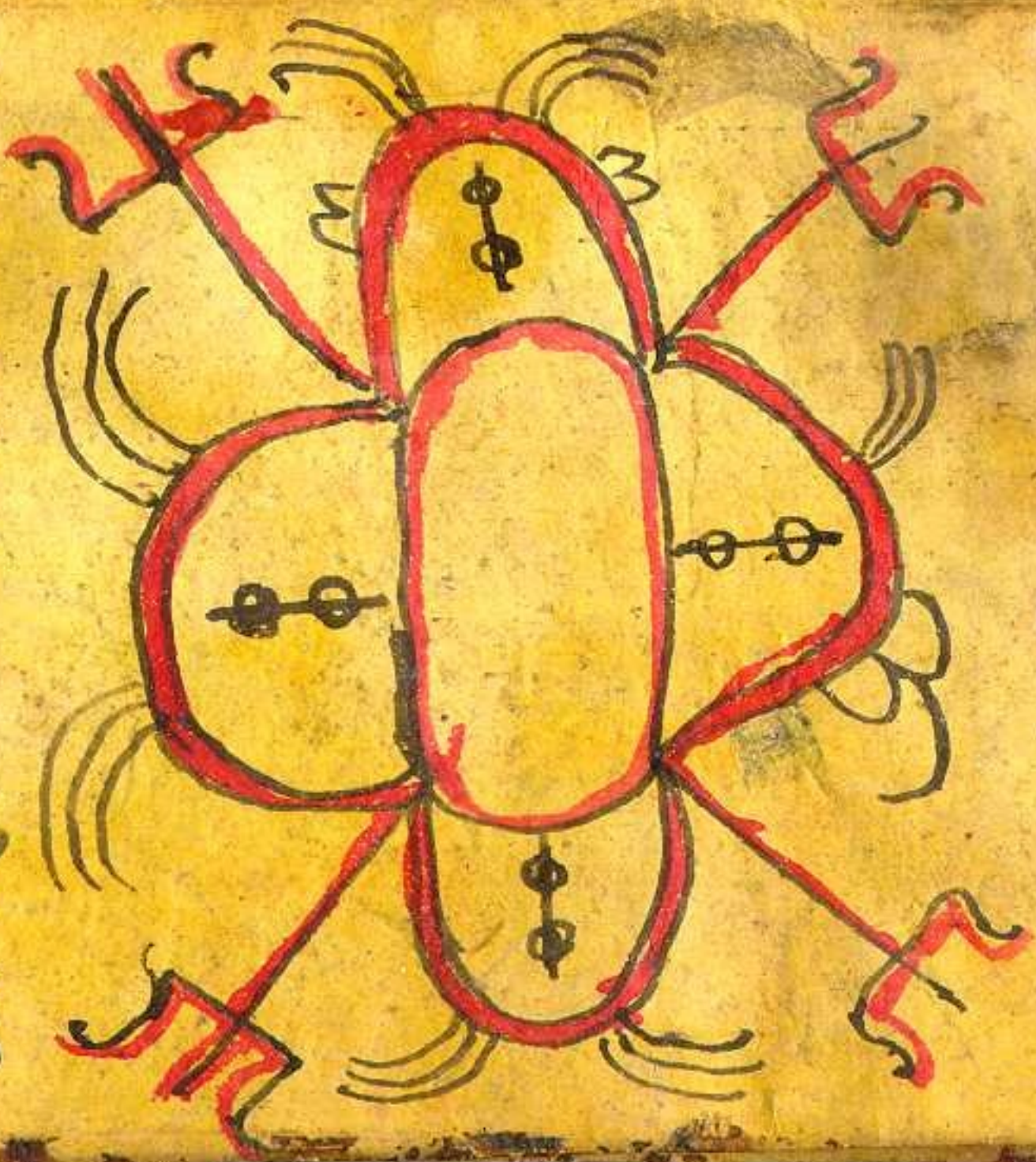


देवदत्ता ये हेजा ८७०० हे फ ८ ॥

ज्योत्सो वनः मनासि नो हनीने भुजा
 मचस यो यो व ८ सवलो क वसे गु वः
 सुभ ॥ ॥



शुभे नमो किमिदं सः लोकमोहनम्



सा सा धीं श्री धाम कामो धाम
का धन हि धाम का इ देवना
देव को ना ॥ ॥

ॐ कृष्णसामसर्व - १००

ॐ श्री गुरुभ्यो नमः क न स्थाति

904



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ओं जं न कुकु म गी ओ न नं
 उजाय न स नो य २ पार नो
 रसमाद नो नो नु न ॥ १ ॥

यो नं न हि नर स व सि कु सि व
 अ नं वि व वु सि नि व व नो न स व
 य स नु य न म नु अ नो को न व
 य न्य नु न न न को न व न नु न

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

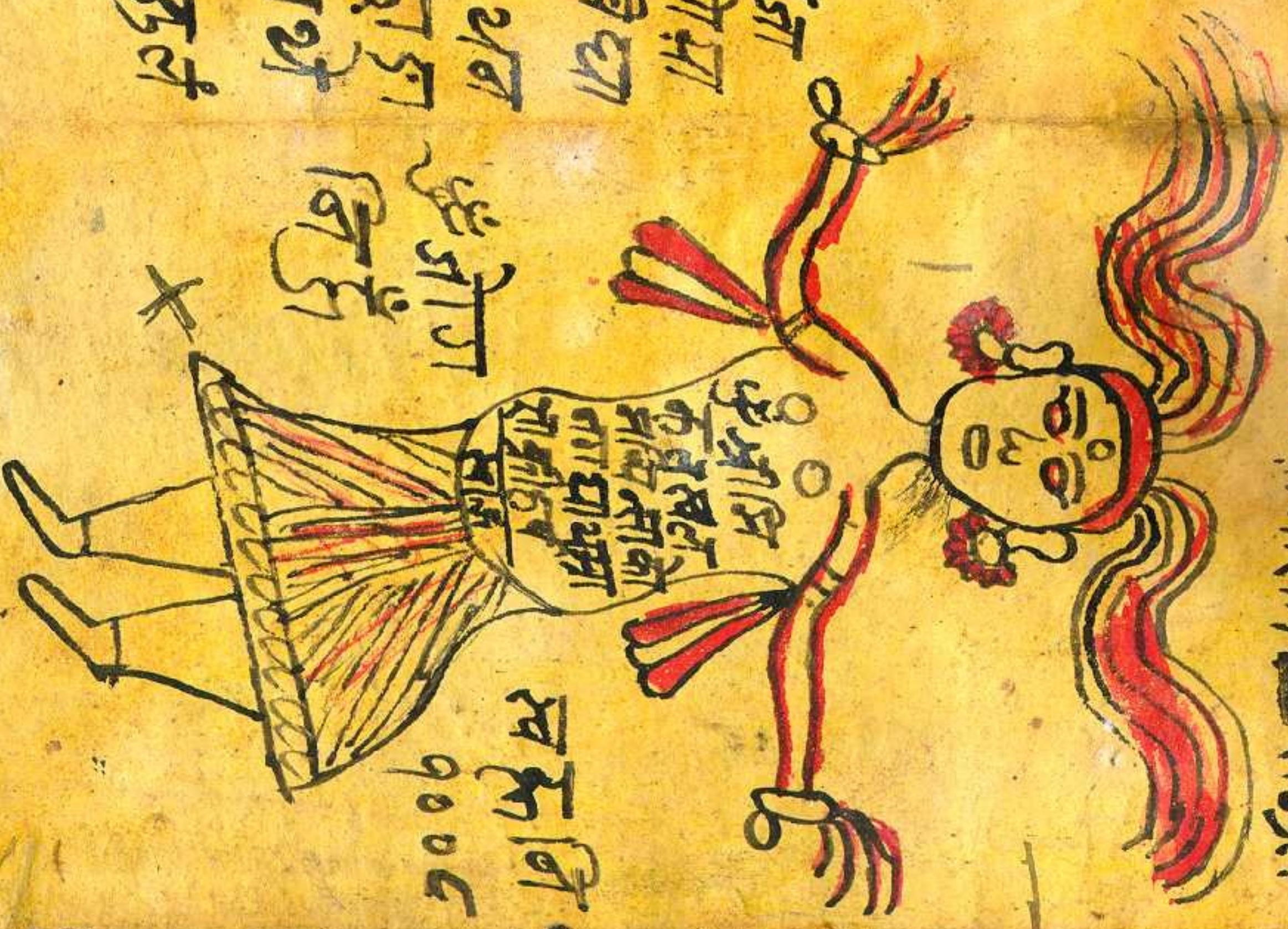
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

अभिमानसे जंम जोलो वं न भुवा सिदि
जो दि असक म मो ल नि मे दो पान ला
सत दा से दि जन दा मा शान है जु ले



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ गोपा
दि



१००८

देवदत्तसमाधिराजा १००० संवत्

जोहो नन मानाभिरभोह
निनं भुजापत्रसं चोद्यान

सर्वलोकव सेर्वत्रसु

ॐ ॥ ० ५ २ ॥

कन साग्रहनसु

नुमनन साग्रथ

वा व सुदति सुनुजस

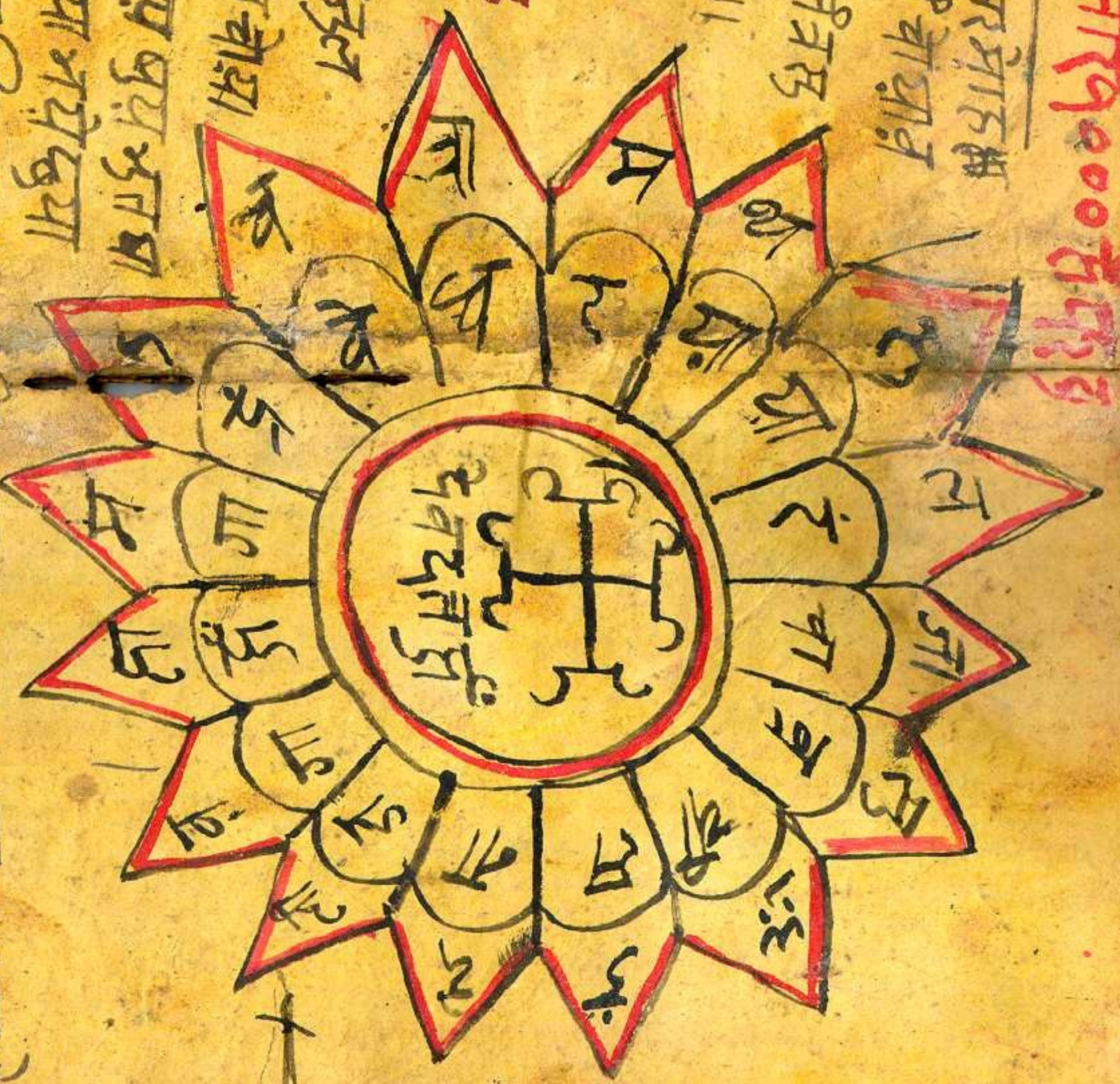
सां पुजायाय नंत चोद्या

न को बायको ॥ अथ पुनं भुतया

प्रेतया दं कि नि या अये कुया

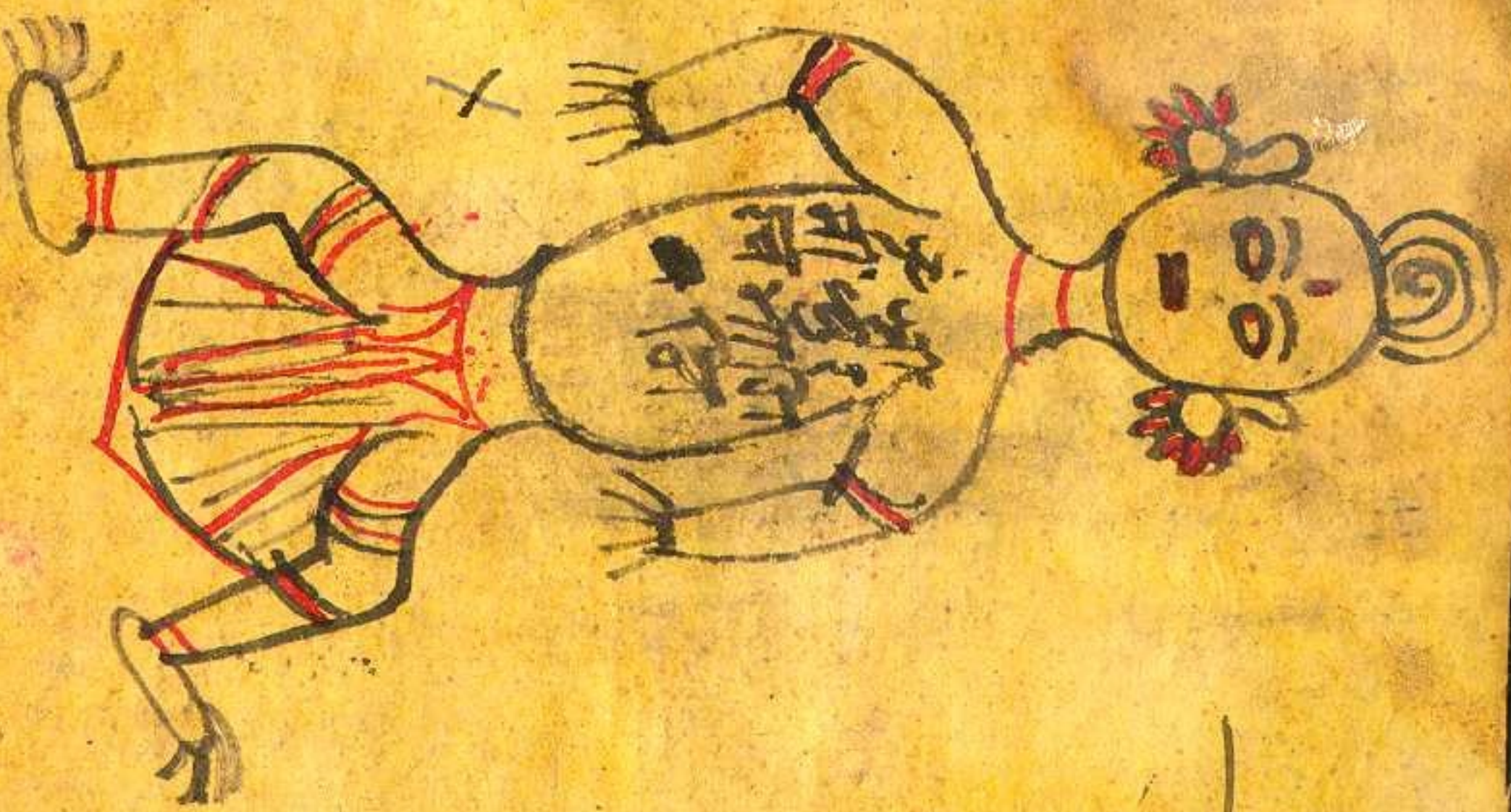
मद ॥ समससि वि सुद ॥ इति ननागा गुनम ह्यकार सगसको

श्री पुनसुतः ॥ १ ॥





ओ जं न भुजा पत्र स कृ क जो लो च
 ज ओ ना सि का धा हि न बो धा वं गा ज बो
 धा ला ना म स रू पा धा मि सा नं मि रं व
 स्य ज्ञे ॥



अ जं न भुजा पत्रा स कृ क जो लो च
 अ ना सि का धा हि चि अ स यो ना नि
 क स पु त्र न भु र नि ना म बो धा धा ना नि
 स रू पा धा मि रं वं मि सा न स्यः ॥

